vinetur

2026/2027 में यूरोपीय संघ का वाइन उत्पादन 4% घटेगा : किसान समूह

Copa-Cogeca के अनुसार, कमजोर मांग, कम कीमतें और निर्यात में 6.8% की गिरावट उत्पादकों पर दबाव बढ़ा रही है

शुक्रवार, 13 नवंबर 2026



Copa-Cogeca की गुरुवार, 12 नवंबर को जारी फसल संबंधी अनुमानों के अनुसार, यूरोपीय वाइन उत्पादक 2026/2027 के मौसम में कम उत्पादन, कमजोर मांग और घटते निर्यात का सामना कर रहे हैं। इससे यूरोपीय संघ के सबसे बड़े कृषि उद्योगों में शामिल इस क्षेत्र पर पड़ रहे दबाव का पता चलता है।

किसान समूह ने कहा कि 2026/2027 अभियान में यूरोपीय संघ का वाइन और मस्ट उत्पादन 133.6 मिलियन हेक्टोलिटर रहने का अनुमान है। यह पिछली फसल से 4% कम और पिछले पांच अभियानों के औसत से लगभग 8% नीचे है। ये आंकड़े यूरोपीय वाइन उत्पादन में लगातार गिरावट का संकेत देते हैं। उत्पादक एक ओर अधिक अस्थिर मौसम से जूझ रहे हैं, तो दूसरी ओर बाजार भी बदलाव के दौर से गुजर रहा है।

इटली, स्पेन और फ्रांस यूरोपीय संघ के सबसे बड़े उत्पादक बने रहे और कुल वाइन तथा मस्ट उत्पादन में उनका संयुक्त हिस्सा लगभग 82% रहा। Copa-Cogeca के अनुसार, उत्पादन में इटली की हिस्सेदारी 30%, स्पेन की 27% और फ्रांस की 25% थी।

समूह ने कहा कि इस साल की फसल ने एक बार फिर यूरोप भर के अंगूर-बागानों पर प्रतिकूल मौसम के बढ़ते असर को दिखाया। उत्पादकों ने कई क्षेत्रों में बार-बार सूखा पड़ने, लंबे समय तक चलने वाली लू, वसंत ऋतु में पाला और ओलावृष्टि की सूचना दी। इससे पैदावार घटी और हर मौसम के नतीजों को लेकर अनिश्चितता बढ़ी। Copa-Cogeca ने कहा कि जलवायु की अस्थिरता यूरोपीय अंगूर की खेती को आकार देने वाले मुख्य कारकों में से एक बन गई है, जिससे साल-दर-साल उत्पादन में उतार-चढ़ाव अधिक स्पष्ट हो रहा है।

उत्पादन में गिरावट एक व्यापक रुझान का हिस्सा भी है। Copa-Cogeca ने कहा कि 2020 से 2025 के बीच यूरोपीय संघ का औसत वार्षिक वाइन उत्पादन लगभग 157 मिलियन हेक्टोलिटर रहा, लेकिन 2020/2021 की फसल के बाद से उत्पादन आम तौर पर घटा है। ताजा अनुमान संकेत देता है कि कुछ क्षेत्रों में कम फसल अब अल्पकालिक समस्या नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र में जारी व्यापक समायोजन का हिस्सा है।

मांग भी इसी दिशा में आगे बढ़ रही है। Copa-Cogeca ने वैश्विक वाइन खपत 221 मिलियन हेक्टोलिटर आंकी, जो तीन दशक से अधिक समय का सबसे निचला स्तर है। समूह के अनुसार, 1996 से 2007 तक लंबी अवधि की वृद्धि के बाद 2017 तक खपत अपेक्षाकृत स्थिर रही, जिसके बाद इसमें लगातार गिरावट शुरू हुई। 2022 के बाद से यूरोपीय संघ के भीतर और उसके बाहर के प्रमुख बाजारों में यह गिरावट तेज हुई है।

वैश्विक वाइन खपत में यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी भी घटी है। Copa-Cogeca ने कहा कि 2000 में दुनिया की वाइन खपत में संघ का हिस्सा लगभग 60% था, जो अब करीब 48% रह गया है। घटती मांग ने पूरी आपूर्ति शृंखला में कारोबार की मात्रा और कीमतों को नीचे धकेला है। रेड और रोज़े वाइन उन श्रेणियों में शामिल हैं जिन पर इसका सबसे अधिक असर पड़ा है। समूह के अनुसार, बेस वाइन में कुछ सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई है।

नए बाजारों में अवसर उभर रहे हैं, लेकिन Copa-Cogeca ने कहा कि वहां हुई बढ़त उन देशों में घटती खपत की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं है जहां वाइन पीने की पुरानी परंपरा है। इससे पहले से बढ़ती लागत से जूझ रहे उत्पादकों, सहकारी संस्थाओं, बॉटलिंग कंपनियों और निर्यातकों पर दबाव और बढ़ रहा है।

व्यापक पेय कारोबार के लिए कम उत्पादन, कमजोर मांग और घटती निर्यात बिक्री का मेल लाभ मार्जिन पर दबाव डाल सकता है और कंपनियों को खरीद, भंडार तथा व्यावसायिक योजनाओं पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है। वाइन उत्पादकों और व्यापारियों पर इसका असर खास तौर पर अधिक है, लेकिन स्थिर बिक्री पर निर्भर प्रीमियम बोतलबंद वाइन और स्पार्कलिंग श्रेणियों के वितरक और खुदरा विक्रेता भी प्रभावित हो सकते हैं।

व्यापार के आंकड़ों से दबाव साफ दिखाई दिया। Copa-Cogeca के अनुसार, सितंबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच यूरोपीय संघ से संघ के बाहर के देशों को वाइन निर्यात का मूल्य 15.4 अरब यूरो रहा, जो पिछले 12 महीनों की अवधि से 6.8% कम है। निर्यात की मात्रा 3.3% घटकर 27.5 मिलियन हेक्टोलिटर रह गई।

वाइन की अधिकांश श्रेणियों में गिरावट दर्ज की गई। संरक्षित मूल पदनाम वाली वाइन का निर्यात 7.6%, किस्म-विशिष्ट वाइन का 6.7% और संरक्षित भौगोलिक संकेत वाली वाइन का निर्यात 4.9% घटा। भौगोलिक संकेत के बिना वाइन ही एकमात्र बड़ी श्रेणी थी जो अपेक्षाकृत स्थिर रही।

पैकेजिंग के प्रकार के अनुसार व्यापार की तस्वीर अलग-अलग रही। बल्क वाइन उन कुछ खंडों में से एक थी जिसमें 5% वृद्धि हुई, जबकि बैग-इन-बॉक्स निर्यात 3.4% बढ़ा। बोतलबंद वाइन का निर्यात 7.5% और स्पार्कलिंग वाइन का 6.2% घटा। यह दिखाता है कि ऊंचे मूल्य वाली श्रेणियां भी अंतरराष्ट्रीय मांग में कमजोरी से अछूती नहीं रहीं।

निर्यात के प्रमुख गंतव्यों में अमेरिका को होने वाली खेप 15.3% घटी। कनाडा को निर्यात 11%, स्विट्जरलैंड को 9.2% और यूनाइटेड किंगडम को 3.9% घटा। रूस और हांगकांग उन कुछ बाजारों में थे जहां वृद्धि दर्ज हुई—क्रमशः 17.5% और 10.9%।

यूरोपीय संघ के भीतर भी व्यापार कमजोर हुआ। Copa-Cogeca ने कहा कि संघ के भीतर वाइन व्यापार मूल्य के हिसाब से 9.8% और मात्रा के हिसाब से 13.4% घटा, हालांकि प्रति इकाई औसत मूल्य बढ़ता रहा। इससे संकेत मिलता है कि कम मात्रा की भरपाई कीमतों से पूरी तरह नहीं हो रही है, भले ही कुछ उत्पाद प्रति इकाई ऊंचे दाम पर बिक रहे हों।

Copa-Cogeca के वाइन कार्यदल के अध्यक्ष Luca Rigotti ने कहा कि फसल के नए अनुमान क्षेत्र में चल रहे बदलावों के पैमाने की पुष्टि करते हैं। आंकड़ों के साथ जारी टिप्पणियों में Rigotti ने कहा कि यूरोपीय वाइन उत्पादक तेजी से कठिन होती परिस्थितियों में काम कर रहे हैं। इन परिस्थितियों को अप्रत्याशित मौसम, संघर्षों और भू-राजनीतिक तनाव से जुड़ी बढ़ती उत्पादन लागत, वाइन की खपत में संरचनात्मक गिरावट और व्यापार तथा बाजार तक पहुंच की नई बाधाएं आकार दे रही हैं।

उन्होंने कहा कि ये दबाव पूरे यूरोप के उत्पादकों को प्रभावित कर रहे हैं, हालांकि यह क्षेत्र अब भी मजबूती और अनुकूलन की क्षमता दिखा रहा है। Rigotti ने कहा कि उद्योग को नवाचार, टिकाऊपन और गुणवत्ता के प्रचार में निवेश जारी रखना होगा, साथ ही अपनी पेशकश में विविधता लानी होगी, नए बाजार तलाशने होंगे और उपभोक्ताओं—खासकर युवा पीढ़ियों—के साथ मजबूत रिश्ते फिर से बनाने की कोशिश करनी होगी।

नए आंकड़े ऐसे उद्योग की कठिन तस्वीर पेश करते हैं जो यूरोप के कई हिस्सों की ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं के लिए अब भी अहम है। फसल की मात्रा कम होने, मांग कमजोर रहने और कई प्रमुख बाजारों में निर्यात दबाव में होने के कारण उत्पादक नए अभियान में मौसम के झटकों या व्यावसायिक असफलताओं का सामना करने के लिए पहले से कम गुंजाइश के साथ प्रवेश कर रहे हैं।